मायरो भरण ख चल्या नरसिंह अंजार

सतिया सत ना छोड़िए सत छोड़े पत जाय,
सत की वानी लक्ष्मी वो फिर मिलेगी आय,

मायरो भरण ख चल्या नरसिंह अंजार ,
सोला सूरदास लई न नानी बाई का द्वार ,
अई जा सावरिया , करू थारो इंतजार ,

देखी न लोग हस साधु की जम्मात ,
नानी बाई की सासु ननद मुंडा धर हाथ ,
मायरो भरग कसो कौड़ी नही पास म ,
याव ख मिलई देग साधु सत्यानाश म ,
आज म्हारी बिगड़ी बनई जा करतार ,
अई जा सावरिया , करू थारो इंतजार ,

थारी भगति म हाऊ तो लुटई गयो सारो ,
अंत म आव म्हारो कोई नी सहारो ,
थारा भरोसा प खेल छे यो सारो ,
नगर अंजार म कोई नी हमारे ,
मारे शरम का हाऊ तो हुइगो तार तार ,
अई जा सावरिया , करू थारो इंतजार ,

प्रहलाद गणिका तुन मीरा ख तारी ,
धन्ना भगत की तुन खेती उबारी ,
केवट की प्रभु तुन चुकई दी उधारी ,
कहा चली गया जब अइ म्हारी बारी ,
अबकी बार बणी जा तू म्हारो मददगार ,
अई जा सावरिया , करू थारो इंतजार ,

जय श्री कृष्ण ।।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20855/title/mayro-bharan-kh-chalya-narsing-anjar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |